ने भारतीय संस्कृति के माध्यम से यह आश्वासन दिया था कि वह पुस्तकों तथा दृश्य-श्रव्य सामग्री के उपहार के रूप में इस केन्द्र को सहायता देगा।

(ग) और (घ) अन्य देशों से अगर इस तरह के भारतीय सांस्कृतिक देशों के प्रस्ताव आते हैं तो भारत सरकार उनपर यथोचित विचार करेगी।

अमरीका में वायस ऑफ खालिस्तान नामक कार्यक्रम

19. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अमरीका में "वायस ऑफ खालिस्तान" नाम से रेडियो कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलोरियो) : (क) और (ख) सरकार को यह सूचना मिली थी कि अमरीका में तथाकथित "वाइस ऑफ खालिस्तान" के नाम से रेडियो कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं। सरकार ने इस मामले को तत्काल अमरीकी सरकार के साथ उठाया। अमरीका के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार इस प्रसारण को समाप्त कर दिया गया है।

Visits organised by Indian Council for Cultural Relations

20. OHOWDHRY HARI SINGH Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Ministry through the Indian Council for Cultural Relations arranges for exchanges of visits of scholars and artists in the fields of music and other fine arts, between India and other countries with which it has cultural exchange agreements;

(b) if so, the procedure followed by the council for selecting scholars and artists for visits to those countries which are meant for cultural exchange purposes; and

(c) whether these programmes are advertised and applications are invited from interested scholars and artists?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEERO): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Reciprocal visits of scholars and artists are finalised under the relevant Cultural Exchange Programmes with the approval of the concerned authorities of the ICCR, after consultation with the Indian Mission and the host agencies in the country being visited.

विदेशों के साथ किए गए करारों का द्विभाषी-प्रकाशन

21. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों के साथ किये गये करारों से सम्बन्धित पत्रों को द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फैलोरियो) : (क) और (ख) नियमतः यह मंत्रालय विदेशी देशों के साथ किए गए सभी करारों पर हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी और सम्बन्धित देश की भाषा यदि उसकी भाषा अंग्रेजी नहीं है, में हस्ताक्षर करता है।

हाल ही में हमने कई विदेशी देशों के साथ करार किए हैं जिनमें चीन, मंगोलिया, माल्टा, कोरिया गण-राज्य, कजाकस्तान, किरगीजिस्तान, उक्रेन, तुर्कमेनिस्तान, अजरबेजान, उजबेकिस्तान, माकस, सेशल्स तथा रवांडा शामिल है। इन पर हिन्दी में भी हस्ताक्षर कए गए थे।